बाल हेण्ड बुक

अंजली (स.अ.)
प्रा. वि., नगला माँझ
ब्लॉक कुरावली, मैनपुरी

उद्देश्य – शिक्षक द्वारा हर समय पारम्परिक व्याख्यान विधि अथवा एक ही गतिविधि से पढ़ाये जाने पर विद्यार्थियों के लिए पाठ बोझिल लगने लगते हैं और विद्यार्थियों की पढ़ाई में रूचि कम होने लगती है। ऐसा देखने में आया है कि बच्चों का मन खेल में या खेल सम्बन्धी गतिविधियों में अधिक लगता है। इसी विचार के साथ प्रस्तुत नवाचार की शुरूआत हुई। बाल हेण्ड बुक का मुख्य उद्देश्य यह था कोविड–19 के समय में लॉकडाउन के बाद जब विद्यालय पुनः खुले तो बच्चों के अधिगम स्तर में काफी लर्निंग गैप आ गया था। इसी लर्निंग गैप को कम करने, निपुण लक्ष्यों को हासिल करने और बच्चों को आधारभूत अवधारणाओं को सरलता व रूचिपूर्ण तरीके से समझाने के लिए अवधारणाओं पर आधारित छोटी–छोटी हैण्ड मेड बुक तैयार की गई।

क्रियान्वयन– यह बाल हैण्ड बुक हिन्दी, गणित, अंग्रेजी एवं अन्य विषयों पर आधारित है। हैण्ड बुक के ऊपर शिक्षिका द्वारा कार्टून चरित्र को बनाया गया जिससे छोटे बच्चे स्वतः इनकी ओर आकर्षित होते है, पढ़ने में अपनी रुचि दिखाते हैं और कक्षा में किताबों को देखने तथा पढ़ने के लिए उनमें होड़ सी लगी रहती है। इन बाल हैण्ड बुक्स को बच्चों के मध्य अधिक प्रचलित करने के लिए एक नया प्रयास भी किया गया, जिसमें जो विद्यार्थी कक्षा में निपुण हो गये हैं उनकी फोटो भी हैण्ड बुक में लगाई गयी। इस प्रकार बच्चों में न केवल नवीन उत्साह का संचार हुआ अपितु वे अपनी फोटो की हैण्ड बुक बनाने के लिये स्वप्रेरित भी हुए। इन हैण्ड बुक्स के प्रयोग से अन्य शिक्षको को भी पढ़ाने में

आसानी होती है और बच्चे रूचिपूर्ण तरीके से जल्दी पाठ को सीख जाते है। बच्चे ये हैड बुक अपने अधिगम स्तर के अनुरूप घर भी ले जाते हैं, खुद से पढ़ते भी है और अपने छोटे–भाई बहनों को भी पढ़ने के लिये प्रेरित करते है।

प्रभाव – इस नवीन गतिविधि के प्रयोग के बाद यह देखा गया है कि जो बच्चे पढने में रुचि नहीं लेते थे वो बच्चे भी कक्षा में नियमित रूप से उपस्थित होकर पढ़ाई में अधिक रूचि दिखाने लगे है। हैण्ड बुक पढ़ने के लिये छात्रों में होड लगी रहती है जिससे कि बच्चों का अधिगम स्तर नवाचार की पूर्व की स्थिति से काफी बेहतर हुआ है। जहां अपेक्षित अधिगम स्तर प्राप्त नहीं कर पाते थे उन्ही कक्षाओं में अब शिक्षण प्रक्रिया प्रभावशाली हो गयी है। बच्चे ये हैड बुक अपने अधिगम स्तर के अनुरूप घर भी ले जाते है, स्वयं भी पढ़ते हैं और अपने छोटे–भाई बहनों को भी पढ़ने के लिये प्रेरित करते है। अब कक्षा में विद्यार्थियों की उपस्थिति शत–प्रतिशत बनी रहती है और नामांकन संख्या में भी वृद्धि हुयी है।

सत्र	नांमाकित बच्चों की संख्या
2021 – 2022	136
2022 – 2023	145
2023 – 2024	150
2024 – 2025	152